Std.1

Story: **Lion and Mouse ('लाइअन् एंड् माउस्)**

Day: 66

Teacher's Note for Day- 66: Subject teaching: बच्चों को इन pictures को ध्यान से देखने को कहें। इस पर बच्चों से बात करें। बच्चों को picture के आधार पर कहानी कहने के लिए कहें। बच्चे अपने समूह में भी चर्चा कर सकते हैं। बच्चों को अपनी बात कहने की पूरी आज़ादी दें। सिखाए जाने वाले words: Lion('लाइअन्), Roar('रोर्), Frighten ('फ्राइट्न्), Hunter('हँट(र्)), Net('नेट्), Trap('ट्रैप्), Jungle('ज़ंग्ल्), Friend('फ्रैंड्), Free(फ्री); चित्र में सिखाए जानेवाले शब्दों को बच्चे पहचान लें तब उनके English word को बोर्ड पर बच्चों को दिखाते हुए लिखें। Conversation:My mother's name is..... (बच्चों को बारी-बारी से अपनी माँ के नाम के साथ पूरे वाक्य को बोलने के लिए प्रेरित करें।)

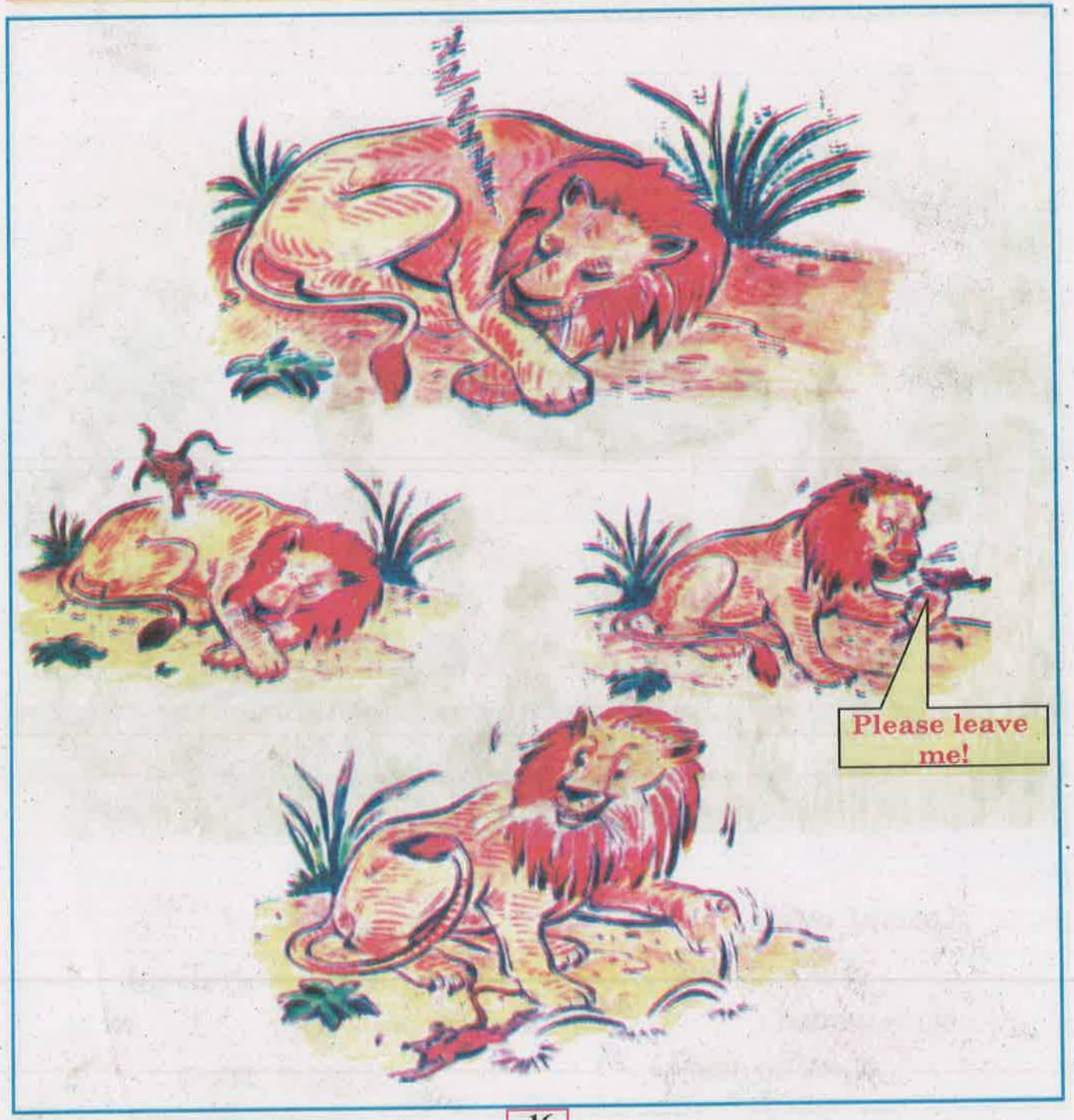

Std.1

Story: **Lion and Mouse ('लाइअन् एंड् माउस्)**

Day: 66

Teacher's Note for Day- 66: Subject teaching: बच्चों को इन pictures को ध्यान से देखने को कहें। इस पर बच्चों से बात करें। बच्चों को picture के आधार पर कहानी कहने के लिए कहें। बच्चे अपने समूह में भी चर्चा कर सकते हैं। बच्चों को अपनी बात कहने की पूरी आज़ादी दें। सिखाए जाने वाले words: Lion('लाइअन्), Roar('रो(र्)), Hunter('हँट(र्)), Net('नेट्), Trap('ट्रैप्), Jungle('ज़ंगूल्), Friend('फ्रैंड्), Free(फ्री); चित्र में सिखाए जाने वाले शब्दों को बच्चे पहचान लें तब उनके English word को बोर्ड पर बच्चों को दिखाते हुए लिखें। Conversation: My mother's name is..... (बच्चों को बारी-बारी से अपनी माँ के नाम के साथ पूरे वाक्य को बोलने के लिए प्रेरित करें।)

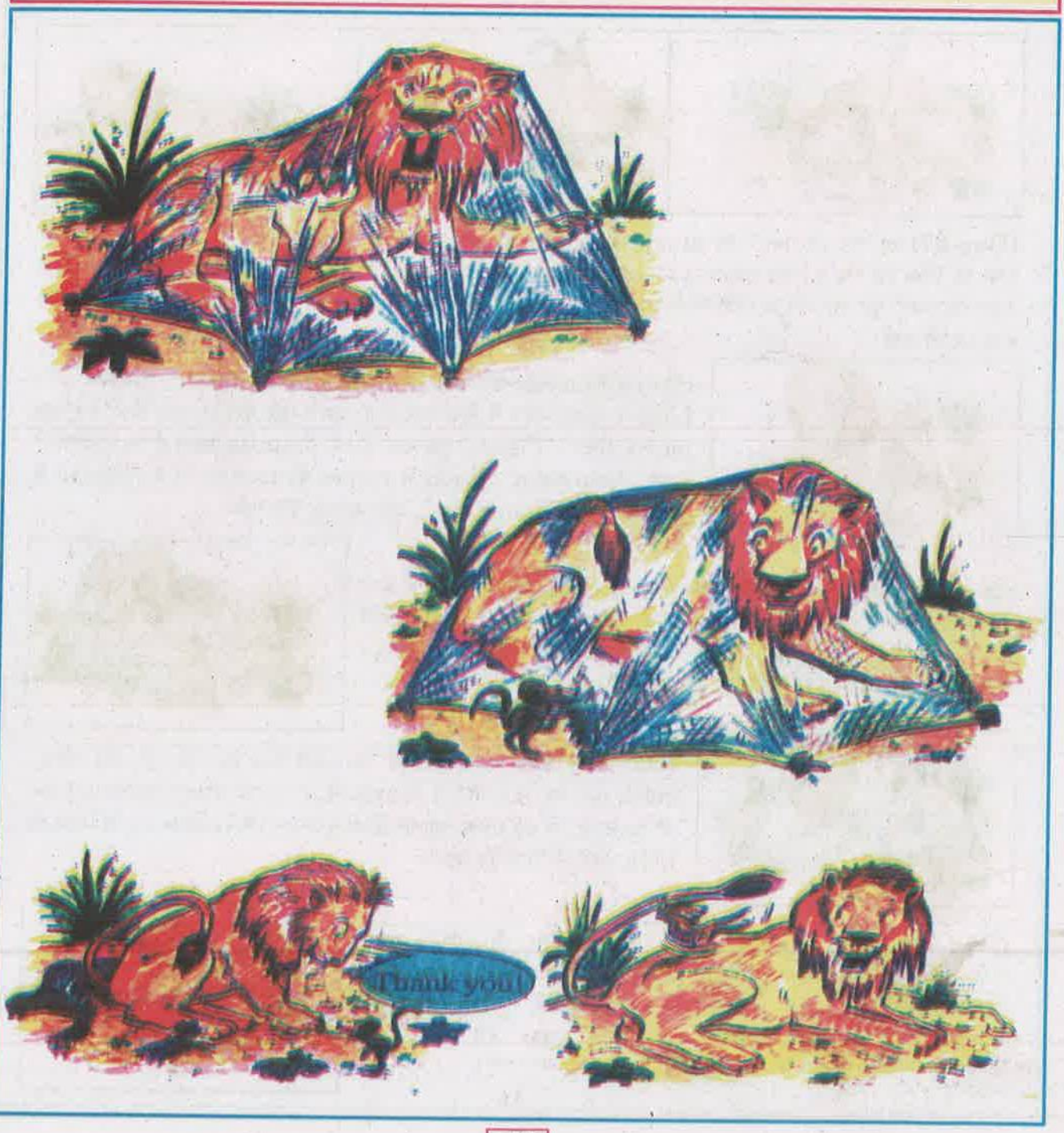

Std.1

Story: **Lion and Mouse ('लाइअन् एंड् माउस्)** **Days : 67 - 72**

Teacher's Note for Day- 67 to 72: Story telling: सिखाए जाने वाले words: {Day 67-68: Lion('लाइअन्), Roar('रोर्),Jungle('जंगल्)}, {Day 69: Hunter('हंट(र्)), Net('नेट्), Trap('ट्रैप्)}, {Day 71:Friend('फ्रैंड्), Free(फ्री)}; Oral Lesson: Day 67/69-70: Action verbs like jump, sleep, roar, trap etc, Day 68/71: Concept of where should we use words like 'Please','Thank you','Help'; Conversation: {Day 66-68: My mother's name is...}; Activity: {Day 69-72: Say'Thank you/please' game (see appendix 1)}; Revision of all done words, story, oral lessons and conversation on Day-72.

(Day-67) एक बार की बात है कि jungle में एक lion सो रहा था। तभी lion के पास एक mouse आया और देखा कि lion सो रहा है। तब mouse सोए हुए lion के शरीर पर चढ़कर खेलने लगा। mouse बार-बार lion के शरीर पर उछल-कूद कर रहा था। जिससे lion की नींद खुल गई। उसने mouse को झट से पकड़ लिया और जोर-जोर से roar करने लगा।

(Day-68) mouse डर गया और lion से बोला-"Please! मुझे छोड़ दो"। Lion ने कहा-"नहीं! मैं तुम्हें मार दूँगा, तुमने मुझे नींद से जगा दिया है।" तब mouse बोला- "Please! मुझे छोड़ दो। मैं promise करता हूँ कि मुसीबत में आपकी help करूँगा"। Lion ने mouse को free कर दिया। Mouse ने lion से कहा- "Thank You", और वहाँ से चला गया।

(Day-69) कुछ दिनों के बाद jungle में एक hunter शिकार करने के लिए आया और उसने lion को trap करने के लिए एक net बिछाया। जब lion वहाँ आया तो वह net में फँस गया। Lion डरकर roar करने लगा। Lion ने बहुत कोशिश की, पर वह net से बाहर नहीं निकल सका।

(Day-70) Lion बहुत sad हो गया। उसे लगा कि अब वह नहीं बचेगा। इसलिए अब वह जोर-जोर से roar करने लगा। जब उसकी आवाज mouse को सुनाई दी, तो वह समझ गया कि lion मुसीबत में है। Mouse तुरंत lion की help करने के लिए दौड़ पड़ा।

(Day-71) उसने lion को net में फँसा देखा तो उसने अपने दाँतों से net को कुतर दिया। Free होकर lion बहुत happy हो गया और mouse से कहा-"Thank you, तुमने मेरी जान बचाई।" तब से दोनों friend बन गए। शिक्षा: हमें किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए, छोटा भी मुसीबत में काम आ सकता है।